मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2020-22 /R.N.I. No. 2022007062

खट्टर ने किया बड़ा राजनीतिक जमावड़ा 2
राकेश काम्बोज ने जनता से पूछ कर कांग्रेस में जाने का किया ऐलान 4
उल्टा पड़ गया राशन कार्ड पर यूपी सरकार का दांव 5
मोदी ने पत्थर पर तो नहीं, समाज में लकीरें जरूर खींची! 6
भाजपा का पंच सितारा दफ्तर बन कर तैयार 8

वर्ष 36 | अंक 29 | फरीदाबाद | 29 मई-4 जून 2022 | फोन-8851091460 | 5.00 ₹

'भ्रष्टाचार का काल मनोहर लाल' हड़पेंगे मजदूरों का अस्पताल

ईएसआई मेडिकल कॉलेज अस्पताल पर खट्टर की गिद्ध दृष्टि

फ़रीदाबाद (म.मो.) दिनांक 25 अप्रैल 2021 को दो दिन के अंदर मोठूका स्थित अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल चालू करने की घोषणा करने वाले मुख्यमंत्री खट्टर आज तक भी उसे चालू नहीं कर पाये हैं और न ही इसके चालू होने की उम्मीद आस-पास कहीं नज़र आ रही है। डेनमार्क से मिली भीख से बीके अस्पताल में बनाया गया 100 बेड के कोविड वार्ड में अभी तक ताला लगा हुआ है। इस अस्पताल में न तो पर्याप्त डॉक्टर हैं न अन्य स्टाफ़ और अन्य उपकरण इत्यादि।

चिकित्सा सेवाओं पर खर्च को फिजूल खर्च मानते हुए खट्टर सरकार इस क्षेत्र में कोई पैसा खर्च करना नहीं चाहती। लेकिन शहर के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधायें प्रदान करने के नाम पर उनकी गिद्ध दृष्टि, एनएच तीन स्थित ईएसआई मेडिकल कॉलेज अस्पताल पर टिकी हुई है। दरअसल कोविड की दो लहरों के दौरान जिस तरह से उन्होंने मज़दूरों को इस अस्पताल से बेदखल करके कब्जा लिया था, तभी से उनकी नज़र इस अस्पताल पर टिकी हुई है। तीसरी लहर के दौरान भी इसे कब्जाना चाहते थे, लेकिन मज़दूरों के खुले विरोध को देखते हुए वे ऐसा न कर पाये।

केन्द्र में भाजपा सरकार होने का अनुचित लाभ उठाते हुए खट्टर सरकार ने स्थाई तौर पर क्लेश काटते हुए केन्द्रीय श्रम मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव के साथ एक समझौता कर लिया है कि ईएसआई कॉर्पोरशन के तमाम अस्पतातों व डिस्पेंसरियों में वे तमाम लोग भी इलाज कराने को जा पायेंगे जो बीमाकृत नहीं हैं यानी कि जिनके वेतन से कॉर्पोरेशन को पैसा नहीं जाता। इसके बदले बीमाकृत तमाम मज़दूर भी बीके जैसे सरकारी अस्पतालों में जाकर मुफ्त इलाज करा पायेंगे। है न कितना दिलचस्प क्रूर मजाक उन मज़दूरों के साथ जिनसे ईएसआई हर महीने वेतन का साढे चार प्रतिशत वसूलती है।

बीके जैसे तमाम सरकारी अस्पतालों में तथाकथित मुफ्त इलाज के लिये पहले भी किसी के लिये कोई पावंदी नहीं थी। यानी कि बीमाकृत मज़दूर पहले भी इन अस्पतालों में धक्के खाने के लिये स्वतंत्र थे। इस बाबत सरकारी सूत्रों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में जो पांच रुपये का कार्ड बनता है वह बीमाकृत मरीजों के लिये मुफ्त बनेगा।

विदित है कि स्थानीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रति दिन औसतन 3500 मरीज़ ओपीडी में आते हैं और करीब 1800 मरीज़ बीके अस्पताल की ओपीडी में आते हैं। यदि तमाम लोगों को ईएसआई अस्पतालों में आने की छूट मिल जायेगी तो तमाम लोग बीके छोड़कर ईएसआई के वातानुकूलित अस्पताल में आ खड़े होंगे।

विदित है कि हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही शहर की 15 ईएसआई डिस्पेंसरियों व सेक्टर आठ के ईएसआई अस्पताल की दुर्दशा के चलते हर छोटी से छोटी बीमारी के लिये मरीज़ सीधे मेडिकल कॉलेज पहुंचते हैं।

उक्त डिस्पेंसरियों व अस्पताल की दुर्दशा का एक मात्र कारण हरियाणा सरकार का कुप्रपन्धन है। कॉर्पोरेशन की ओर से खर्च की खुली छूट के बावजूद हरियाणा सरकार न तो जरूरत के मुताबिक स्टाफ़ भर्ती करती है और न ही आवश्यक उपकरण एवं दवायें आदि उपलब्ध कराती है। इसके चलते मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जबरदस्त भीड़ बनी रहती है।

चाहे रजिस्ट्रेशन काउंटर हो या डॉक्टरों के दरवाजों के सामने मरीजों की इतनी लम्बी लाइनें लगी रहती हैं कि कई बार तो सब मरीजों का नम्बर भी नहीं आ पाता। फॉर्मेसी के सामने लगने वाली लम्बी कतारों का तो कहना ही क्या है, दवा वितरित करने वाले फार्मासिस्टों को तो हमेशा दो-दो घंटे, बिना किसी भत्ते के अतिरिक्त समय तक बैठना पड़ता है। अस्पताल में भीड़ के लिये काफ़ी हद तक स्टाफ़ की कमी भी जिम्मेदार है।

संबंधित खबरें पेज दो पर

भूपेन्द्र सिंह यादव
केन्द्रीय श्रम मंत्री

सुनील भरतवाल, आईएएस
केन्द्रीय श्रम सचिव

मुखमीत सिंह, आईएएस
डीजी ईएसआई कार्पोरेशन

वी उमाशंकर
आईएएस

दिनांक 24 मई को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के प्रतिनिधि के तौर पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वी उमाशंकर, केन्द्रीय अधिकारियों व मंत्री से वार्ता करने दिल्ली आये थे। इसी वार्ता के दौरान हरियाणा भर में मजदूरों के तमाम ईएसआई अस्पतालों व डिस्पेसरियों को मजदूरों से छीनकर तमाम लोगों के लिए उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया।

जल भराव एवं बिजली की भेंट चढ़ी पिंकी

फ़रीदाबाद (म.मो.) दिनांक 23 मई सोमवार को, सेक्टर 10 में सड़क पर खड़े पानी व उसमें टूट कर गिरे बिजली के तार ने 17 वर्षीय पिंकी की जान ले ली।

बिहार के मोतीहारी ज़िले की मूल निवासी पिंकी यहां अपनी बहन व बहनोई के यहां रह कर सिमरन ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। सेक्टर 10 के मकान नम्बर 123 में स्थित इस ब्यूटी पार्लर में जाने के लिये वह प्रात: 9 बजे घर से निकली थी। लेकिन उसे नहीं पता था कि वह ब्यूटी पार्लर की बजाय मौत की तरफ़ जा रही है। पार्लर से कुछ दूर पहले ही सड़क पर खड़े पानी में टूटे पड़े बिजली के जिंदा तार को वह न देख पाई और उससे छू जाने पर, झटका खा कर वहीं पानी में गिर पड़ी। आसपास खड़े लोग सब कुछ देखते हुए भी बिजली के डर के मारे पिंकी की सहायता को, उसके पास न जा सके।

फ़िर भी लोगों ने बिजली विभाग को फ़ोन करके सूचित किया लेकिन वहां किसी

शेष पेज दो पर

बिजली विभाग की लापरवाही का एक और नमूना

फोटो में दिखाया गया खंभे पर लगा बिजली का मीटर जलभराव में डूबने के निकट ही है। थोड़ा सा भी पानी और चढ़ जाये तो यह पानी में डूब जायेगा। जाहिर है इससे और भी कोई दुर्घटना हो सकेगी। बीते दिनों इसी तरह के जमीन पर रखे मीटर से गांधी कालोनी में करंट लगने से एक महिला की मृत्यु हो चुकी है। उस मामले में भी थाना एनआईटी में बिजली विभाग के विरुद्ध भादस की धारा 304ए के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को जेल नहीं भेजा गया था इसलिए उन्होंने अपनी ऐसी लापरवाहियां बंद नहीं की।